कृषि विज्ञान केन्द्र, रामगढ़ में किसनों को पठारी क्षेत्रों के लिए उपयुक्त कृषि उपकरण का तीन दिवसीय प्रशिक्षण (25–27 फरवरी, 2021)

कृषि विज्ञान केन्द्र, रामगढ़ में किसनों को पठारी क्षेत्रों के लिए उपयुक्त कृषि उपकरण का तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन 27 फरवरी, 2021 को किया गया। यह प्रशिक्षण सी.आर.पी. कृषि यांत्रिकरण एवं परिशुद्धता खेती परियोजना के अंतर्गत दिनांक 25 फरवरी को शुरू किया गया था। यह प्रशिक्षण भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना से आये कृषि यंत्रिकी वैज्ञानिक डॉ प्रेम कुमार सुन्दरम, वैज्ञानिक डॉ पवन जीत एवं डॉ. एन. राजू सिंह द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण में जिले के चितरपुर प्रखण्ड के विभिन्न गॉवों के महिला कृषकों अन्य किसानों ने हिस्सा लिया। किसानों को कृषि को पहाड़ी और पठारी क्षेत्रों में उपयोगी छोटे एवं हल्के कृषि उपकरणों के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ–साथ उसका प्रत्यक्षण भी कराया गया। तीन दिन के प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षुओं को 26 फरवरी को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रॉची के कृषि अभियंत्रण प्रभाग का भ्रमण कराया गया। वहॉ के प्रभाग के प्रमुख श्री डी.के. रूसिया के द्वारा संस्थान द्वारा विकसित कृषि उपकरणों के प्रदर्शन के साथ–साथ उनके संचालन एवं रख–रखाव के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। केन्द्र प्रक्षेत्र प्रबंधक सन्नी कुमार एवं पटना से आये वरीय तकीनकी सहायक मनोज कुमार सिन्हा द्वारा महिला कृषकों को दो पहिया निकाई यंत्र, कोनो विडर, ग्रबर इत्यादि का खेतों प्रत्यक्षण कराया गया। प्रशिक्षण में कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रभारी डॉ. डी.के. राघव ने किसानों को पहाड़ी और पठारी क्षेत्रों में उपयोगी छोटे एवं हल्के कृषि उपकरणों के प्रयोग पर बल देते हुए कहा कि किसानों के लिए केन्द्र में कस्टम हायरिंग सेन्टर में कृषि छोटे एवं हल्के कृषि उपकरणों के साथ–साथ अन्य कृषि यन्त्र भी किराये पर उपलब्ध है जिसका उपयोग कर किसान अपने कृषि कार्य आसानी से कर सकते हैं। केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. इन्द्रजीत एवं डॉ. धर्मजीत खेरवार ने कृषकों को विभिन्य फसलों एवं बागवानी में कृषि उपकरणों के उपयोग कर समय एवं लागत को कम करने पर जोर दिया। प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण के समापन के दौरान कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना से आये तथा केन्द्र के वैज्ञानिकगण द्वारा प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित किया गया। मौके पर केन्द्र के मौसम वैज्ञानिक सन्नी आशिष बालमूचु तथा मौसम पर्यवेक्षक शशिकांत चौबे के साथ–साथ अन्य लोग उपस्थित थे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

2021/2/25 13:45
Gurbaz

तीन दिवसीय प्रशिक्षण
पहाड़ी और पथरी क्षेत्र के लिए उपयुक्त छोटे उपकरण
दिनांक:- 25 से 27 फरवरी 2021
REDMI NOTE 8
AI QUAD CAMERA

RICE MILL
तीन दिवसीय प्रशिक्षण
पहाड़ी और पथरी क्षेत्र के लिए उपयुक्त छोटे उपकरण
दिनांक:- 25 से 27 फरवरी 2021
कृषि विज्ञान केन्द्र,रामगढ़
झारखण्ड

तीन दिवसीय प्रशि
पहाड़ी और पथरी क्षेत्र के लिए उपयुक्त
दिनांक:- 25 से 27 फरवरी
कृषि विज्ञान केन्द्र,राम
झारखण्ड